जीआई टैग किए गए मगही पान पर विशेष पोस्टल कवर का विमोचन
(28.02.2022)

इंडिया पोस्ट ईस्टर्न रीजन, पटना ने मगही पान (बेटलवाइन) के लिए भौगोलिक संकेतक की स्मृति में एक विशेष पोस्टल कवर जारी किया। मगही पान (बेटलवाइन) को वर्ष 2018 में आईसीएआर-ऑल इंडिया कोऑर्डिनेटेड रिसर्च प्रोजेक्ट ऑन मेडिसिनल एंड एरोमैटिक प्लांट्स एंड बेटेलवाइन (एआईसीआरपी-एमएपी एंड बी) सेंटर, बेटेलवाइन रिसर्च स्टेशन, बीएयू, इस्लामपुर और मगही पान उत्पादक कल्याण समिति, बिहार द्वारा जीआई चिह्नित(टैग) किया गया।

इंडिया पोस्ट ईस्टर्न रीजन, पटना में दिनांक 25.02.22 को विशेष डाक कवर का विमोचन किया गया जिसमें बिहार कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू), साबौर के कुलपति डॉ. अरुण कुमार मुख्य अतिथि थे।

श्री अदनान अहमद, मुख्य पोस्टमास्टर जनरल, बिहार परिमंडल, पटना, डॉ. नंदा किशोर, निदेशक, बागवानी विभाग, बिहार, डॉ. आर. नागराज रेड्डी, वरिष्ठ वैज्ञानिक और नोडल पर्सन, आईसीएआर-एआईसीआरपी-एमएपीएंडबी, श्री पवन कुमार, निदेशक, डाक सेवा, बिहार परिमंडल, पटना एवं श्री हमीद जफर, सतर्कता अधिकारी, जीपीओ पटना समारोह में उपस्थित थे।

मगही पान की खेती बिहार में मगध क्षेत्र के जिलों में की जाती है: -औरंगाबाद, गया, नवादा और नालंदा। यह अपने चमकीले गहरे हरे रंग और दिल के आकार की उपस्थिति के लिए जाना जाता है। पत्ती का तीखापन कम होने के कारण पान के गूदे का स्वाद स्वादिष्ट और मीठा होता है। रेशे कम होने के कारण इसकी पान की खीर मुंह के अंदर आसानी से घुल जाती है। यूजेनॉल और एसिटाइल यूजेनॉल पत्ती के तेल में प्रमुख घटक हैं जो इसके स्वाद को अद्वितीय बनाते हैं। इसकी खेती बिहार में 439 हेक्टेयर में की जाती है।

श्री अदनान अहमद ने कहा कि मगही पान पर विशेष पोस्टल कवर से देश में मगही पान की ब्रांडिंग करने में मदद मिलेगी।

डॉ. कुमार ने अपने भाषण में मगही पान की विशिष्टता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि देश में मगही पान के निर्यात को बढ़ावा देने की जरूरत है।

डॉ. रेड्डी ने अपने भाषण में देश में बेटलवाइन के अनुसंधान और विकास में आईसीएआर के कुछ उल्लेखनीय योगदान पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि देश में बेटलवाइन के मूल्यवर्धन की जरूरत है।

धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक समाप्त हुई।

(स्रोत :कृषि ज्ञान प्रबंधन इकाई भाकृअनुप-औषधीय एवं सगंधीय पादप अनुसंधान निदेशालय, आणंद,गुजरात ।)